Dr. Girija Uraon
Associat professor
Deptt of psychology
Rohtas mahila college, Sasaram

Date: / /
Page No.:

B.A. part II paper III Group A

- शोध परिकल्पना के निर्माण के स्रोतों पर प्रकाश डालें।
(Throw light on the sources of framing research hypothesis.)
- परिकल्पनाओं का निर्माण कैसे किया जाता है? वर्णन करें।
What are the sources of Hypothesis.
- प्राक्कल्पना के महत्वपूर्ण स्रोतों का वर्णन करें।

परिकल्पना के संबंध में एक मुख्य प्रश्न यह है कि परिकल्पना का निर्माण (formulation of hypothesis) कैसे किया जाता है। उल्लेखनीय है कि परिकल्पना पूरी तरह काल्पनिक (Imaginative) नहीं होती है। परिकल्पना का कोई ठोस आधार होता है जबकि कल्पना का कोई ठोस आधार नहीं होता है। सावन-भादों में आकाश में काले-2 बादल देखकर यह अनुमान लगाना कि "आज वर्षा होगी" परिकल्पना है, क्योंकि इसका आधार हमारे पूर्वअनुभव हैं। लेकिन यह अनुमान लगाना कि "आज रात ताजमहल आगरा से हटकर पटना में स्थापित हो जायेगा" हमारी कल्पना है, क्योंकि यह कथन हमारे पूर्वअनुभव पर आधारित नहीं है। स्पष्ट हुआ कि परिकल्पना को बनाने के लिए कुछ ठोस आधारों का होना आवश्यक है। इन आधारों को परिकल्पना के स्रोत (Sources) कहा जाता है। इस संदर्भ में निम्नलिखित स्रोत महत्वपूर्ण हैं:-

प्राक्कल्पनाओं के उद्गम स्रोत दो प्रकार के हो सकते हैं- 1 निजी स्रोत और 2. बाह्य स्रोत

(1) निजी स्रोत :- इसके अन्तर्गत अध्ययनकर्ता व्यक्तिगत विचारधारा, दृष्टिकोण, कल्पना अथवा अन्तर्दृष्टि का प्रयोग करता है। वह स्वयं ही प्राक्कल्पना का स्रोत होता है।

(2) बाह्य स्रोत:- काव्य, साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र,

Scanned with CamScanner

काल्पनिक विचार, दार्शनिक सिद्धान्त इत्यादि इसके अन्तर्गत सम्मिलित होते हैं। इन सभी विषयों का संबंध मनुष्य के सामाजिक संबंधों के गहन अध्ययन से होता है।

श्री एम० स्व० गोपाल के अनुसार प्राक्कल्पना निर्माण के प्रमुख स्रोत निम्नलिखित हैं:-
① सांस्कृतिक पर्यावरण ② लोक-रूढ़ि अथवा प्रचलित विश्वास एवं प्रथाएँ ③ विशेष विज्ञान ④ समरूपता ⑤ स्वीकृत सिद्धान्तों का अपवाद तथा ⑥ वैयक्तिक अनुभव एवं व्यक्तिगत प्रतिक्रियाएँ।

गुडे एवं हाट ने प्राक्कल्पना के निर्माण के स्रोत बताये हैं — ① सामान्य संस्कृति ② वैज्ञानिक सिद्धान्त ③ समस्याएँ तथा ④ व्यक्तिगत अनुभव

1. सामान्य संस्कृति :- सामान्य संस्कृति के अन्तर्गत (क) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, (ख) सांस्कृतिक चिन्ह तथा (ग) सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन सम्मिलित किए जाते हैं। अब प्रत्येक की व्याख्या करना उचित होगा:-

(क) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि :- विज्ञान का विकास सामान्य सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। सामान्य सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ही प्राक्कल्पना निर्माण के लिए विभिन्न स्रोत उपलब्ध करा देती है। भारत और अमेरिका की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एक-दूसरे से भिन्न है। भारत में आध्यात्मिकता पर अधिक बल दिया जाता है। त्यागपूर्ण जीवन, नैतिक आदर्श, परोपकार, पाप-पुण्य आदि पर भारत में विशेष ध्यान दिया जाता है। संयुक्त परिवार, भारतीय जीवन की

विशेषता है। अमेरिकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में भौतिकवाद, व्यक्तिगत सुख सम्पत्ति, उच्च जीवन-स्तर, नवीनतम साधनों द्वारा अधिकतम आवश्यकताओं की संतुष्टि, एकाकी परिवार तथा समतल-वर्ग आदि महत्वपूर्ण हैं।

Scanned with CamScanner